गद्यांश को पढ़कर नीचे दी प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए

मैं जिस मकान में ठहरा उसके सामने एक पहाड़ी पेड़ खड़ा था | हवा के तेज झोंको से वह पूरा हिल जाता झुक जाता था | हवा हल्की होने पर फिर सीधा हो जाता था - हाँ पेड़ की जड़ सदा स्थिर रहती थी | यूँ ही देखते-देखते मेरा ध्यान एक ठूँठ पर गया | वह हवा के तेज़ झोंको में भी स्थिर खड़ा था | शक्ल-सूरत में वह मुर्दे के समान निर्जीव था | मन में दो शब्द गूँजने लगे - 'न हिलना न झुकना' | मन में आया परिस्थितियों के सामने न हिलना और न झुकना ही वीरता है | परंतु ठूँठ की ओर देखा - वह वीर कहाँ, वह तो ठूँठ है, मृतक है | जो जीवित है वह हिल रहा है | जो मृतक है वह स्थिर है | वास्तव में परिस्थितियों से समझौता करना ही जीवन है | विश्व की भाषा है - दे-ले | विशव की जीवन प्रणाली है - कह-सुन | विश्व की यात्रा का पथ है - मान-मना | इन तीनों का समन्वय है जीवन-हिलना-झुकना और समझौता समन्वय | जिसमें यह नहीं है, वह जड़ है; भले ही वह ठूँठ की तरह निर्जीव हो या रावण की जिद्दी | उलझन है, हिलना-झुकना समझौता करना ही महत्वपूर्ण है या स्थिरता और दृढ़ता का मूल्य अधिक है |

(क) पहाड़ी पेड़ पर हवा हल्की का क्या प्रभाव पड़ता था ?

a) वह झुक जाता था　　b) वह पूरा हिल जाता था

c) वह फिर से सीधा हो जाता　　d) वह स्थिर खड़ा रहता था

(ख) ठूँठ किन स्थितियों में भी खड़ा रहता था ?

a) हवा के तेज़ झोंको में　　b) स्थिर हवा में

b) c) हल्की हवाओं में　　d) हवा की सामान्य गति

(ग) विश्व की भाषा क्या है ?

a) हिल - डुल　b) लेन-देन　c) दे-ले　d) झुकना - समझौता करना

(घ) जिसमें हिलना-झुकना-समझौता समन्वय नहीं किया वह किसकी तरह जिद्दी है ?

a) रावण की तरह　b) ठूँठ की तरह　c) जीवन की तरह　d) पहाड़ी पेड़ की तरह

(ड) जीवन की असली बात क्या है ?

a) झुकना और समझौता करना　　b) व्यवहार में समझौता - सिद्धांत में दृढ़ता

c) हिलना और झुकना　　d) मानना- मनवाना

LIVEWORKSHEETS